

बुद्धरत्निस (बुद्ध + रत्न) 1) m. N. pr. eines Mannes BURN. Intr. 313. — 2) f. या N. pr. eines Frauenzimmers MĀLATI. 44, 2 u. s. w.

बुद्धराज (बुद्ध + राज) m. N. pr. eines Fürsten HALL in Journ. of the Am. Or. S. 6, 320, p.

बुद्धवचन (बुद्ध + वच) n. Buddha's Worte, Bez. der buddhistischen Sūtra BURN. Intr. 36. 43.

बुद्धवन (बुद्ध + वन) N. pr. eines Berges HIOURN-THSANG II, 9.

बुद्धवत् adj. eine Form von बुध् enthaltend CAT. Br. 6, 8, 1, 6. 2, 8.

बुद्धविषय (बुद्ध + वि) m. = बुद्धक्षेत्र VJUTP. 21. °विषयावतार Titel einer Schrift WASSILJEW 327.

बुद्धसंगीति (बुद्ध + संग) f. Titel einer Schrift VJUTP. 41.

बुद्धसिंह (बुद्ध + सिंह) m. N. pr. eines Mannes HIOURN-THSANG I, 270.

बुद्धसेन (बुद्ध + सेना) m. N. pr. eines Fürsten WASSILJEW 53.

बुद्धागम (बुद्ध + आ) m. Buddha's Lehre, personif. PRAB. 48, 8.

बुद्धाण्डक s. बुद्धूक.

बुद्धानुस्मृति (बुद्ध + स्मृ) f. Titel eines buddhistischen Sūtra WASSILJEW 172.

बुद्धार्त (बुद्ध + धर्त) m. der Zustand des Wachens CAT. Br. 14, 7, 1, 18. 40.

बुद्धावतंसक (बुद्ध + धर्त) Titel einer Schrift VJUTP. 40. WASSILJEW 302.

बुद्धूक (बुद्ध + रू) m. ein Tempel, in dem Reliquien von Buddha aufbewahrt werden, = चैत्य HALA. 3, 45. Die Hdschr. haben बुद्धाण्डक, बुद्धाण्डक, बुद्धाण्डक.

बुद्धि (von बुध्) f. VOP. 26, 183. 1) Einsicht, Verstand, Geist, Intellect, das Vermögen Vorstellungen und Begriffe zu bilden und festzuhalten; Urtheilskraft AK. 1, 1, 4, 10. 3, 4, 18, 112. 125. TRIK. 1, 1, 114. H. 308. HALA. 2, 179. °विवर्धन M. 1, 106. 4, 18. °वृद्धिकार 19. बुद्धिर्ज्ञानेन शुध्यति 5, 109, 12, 10. बुद्धिमाकुलिकुपुः SUCH. 1, 14, 4. 378, 17. °लाघव R. 2, 58, 36. शास्त्रेषुकुण्ठिता RAGH. 1, 19. न बुद्धिर्धनलाभाय न ज्ञाद्यमसमृद्धये Spr. 1424. बुद्धिर्वलवती भीरुसद्धानां न पराक्रमः 1977. °शस्त्र adj. (पार्थिव) 1978. बुद्धिश्च कीयते पुंसां नीचैः सह समागमात् 1979. बुद्धिर्गोचरतया 1980. fig. 2439. fig. परेक्षितज्ञानफला हि बुद्धयः 463. व्यसनेष्वेव सर्वेषु यस्य बुद्धिर्न कीयते 2913. मदान्ध° 4173. KATHAS. 13, 18. 32, 172. पुनर्लब्धा बुद्धिं वेतो धनानि च N. 11, 23. °संयत्न verständig ACV. GRHJ. 1, 5. R. 1, 16, 3. °वर्जित KATHAS. 33, 39. °हीनत्व Spr. 1902. ज्ञात° adj. MĀRK. P. 74, 49. अल्प° M. 12, 74. SUCH. 1, 14, 4. विमलविपुल° ebend. पाण्डित° Spr. 1340. आत्मा बुद्ध्या समर्थार्थान्मना युक्ते विवक्षया CIKSHĀ in Ind. St. 4, 106. 350. चित्तयती बुद्ध्या N. 5, 11. DAQ. 2, 2. एतद्बुद्ध्या विनिश्चित्य मनसा MBH. 3, 5973. बुद्धौ (ज्ञे) च विजिगीषता in Geiste VID. 16. अर्थवसायो बुद्धिः KAP. 2, 13. SĀMKBHAK. 23. TATTVAR. 3. 8. सातःकरणा बुद्धिः सर्व विषयमवगाहते यस्मात् SĀMKBHAK. 35. fig. 49. NILAK. 10. 11. स्थूल, सूक्ष्म 25. 43. सर्वव्यवहारहेतुर्बुद्धिर्ज्ञानम् सा द्विविधा स्मृतिरनुभवश्च TARKAS. 19. BHĀSHĀP. 50. बुद्धिर्नाम निश्चयात्मिकातःकरणावृत्तिः VEDĀNTAS. (Allah.) No. 47. मतिरगामिका ज्ञेया बुद्धिस्तत्कालदर्शिनी । प्रज्ञा चातीतकालस्य मेधा कालत्रयात्मिका || Randgl. zu H. 309. मनसश्च परा बुद्धिर्वृद्धिरात्मा मर्यादाः KATHOP. 3, 10. BHAG. 3, 12. 40. बुद्धीन्द्रियमनांसि M. 2, 192. तनुबुद्धिमनःसु Spr. 4732. das Vorstellungsvermögen entsteht beim Fötus im 6ten Monat SUCH. 1, 323, 19. — 2) Wahrnehmung: सत्संप्रयोगे पुरुषस्येन्द्रियाणां बुद्धिर्ज्ञानं तत्प्रत्यक्षम् GĀM. 1, 4. sechs Arten durch eben

so viele Sinne NILAK. 22. Vgl. बुद्धीन्द्रिय. — 3) Verständniss, das Begreifen: शब्द° SĀH. D. 16, 21. आसत्तिर्बुद्ध्याविच्छेदः 8, 22. — 4) Meinung, Ansicht; Gedanken: एषा ते ऽभिकिता मांध्ये बुद्धिः BHAG. 2, 39. 41. न वेमि किंचिन्मोहेन धमत्तीव हि बुद्धयः MĀRK. P. 76, 31. तस्य बुद्धिरियं ज्ञाता R. 1, 2, 44. 8, 2. 37, 11. 63, 11. मूढः परप्रत्ययनेपबुद्धिः Spr. 4559. संदिग्धबुद्धिं मां कुर्वन् CĀK. 69, 2. किं स्विन्नो वा स्थाणुर्वेत्यादिबुद्धिस्तु संशयः BHĀSHĀP. 128. नैषा बुद्धिः so v. a. richtige, — vernünftige Ansicht R. 5, 39, 1. RAGH. 12, 68. त्वय्येव सत्तामनिवार्य बुद्धिम् die nur an dir haftenden Gedanken R. GORR. 2, 110, 3. स्त्रीबुद्धिरस्थिरत्वात् M. 8, 77. एतया बुद्ध्या bei dieser Ansicht PĀNĒAT. 127, 15. चक्रबुद्धिमयं पापः सर्वान्ना भनपिप्यति sie fassten die Meinung R. 4, 37, 2. लक्षणे भर्ते वा त्वं कुरु बुद्धिं यथासुखम् richte deine Gedanken auf, denke an 6, 100, 22. कल्याणकृतबुद्धि KATHAS. 13, 144. स्पृशति न नृणसानां हृदयं बन्धुबुद्धयः Gedanken an 3, 12. — 5) das Halten für Etwas: अतस्मिंस्तद्बुद्धिः NILAK. 13, 25. तत्प्राप्तिबुद्ध्या in der Meinung, dass ich zu dir gekommen sei. RAGH. 13, 32. भित्तिबुद्धिकार bewirkend den Glauben an eine Wand, dass man eine Wand zu sehen glaubt, KATHAS. 29, 59. स्थले च जलबुद्धिकृत् 110. दोषबुद्ध्या BHAG. P. 1, 9, 36. 4, 7, 53. MĀRK. P. 76, 39. HIT. 81, 14. KULL. zu M. 8, 95. पश्य बुद्ध्या मनुष्याणां राज्ञानापदमात्मनः schau auf das eigene Unglück, als wenn du es für das der Menschheit hieldest, Spr. 3503. — 6) Absicht, Vorsatz, Plan: स्थिरा बुद्धिः — इक्षितुस्तव SĀV. 2, 29. स्थिर° adj. R. 3, 39, 3. (नहि तव) संनिवर्तयितुं बुद्धिः शक्यते R. SCHL. 2, 34, 32. एतां बुद्धिं समाश्रित्य कृत्वा निश्चयमात्मनः 3, 48, 16. नक्षेष्ठा बुद्धिरास्थेया कूनमवद्भट्टं प्रति 4, 23, 11. एवं मे निश्चिता बुद्धिर्मनश्चापि समाहितम् 2, 19, 11. धर्ममाश्रित्य सद्बुद्धिमनुवर्तितुमर्हसि 18, 51. न च मे क्रोधमुत्सृष्टं बुद्धिर्ववति R. SCHL. 1, 21, 7. किं करिष्यामो भद्रं ते बुद्धिरत्र विचार्यताम् 41, 9. एवं तस्य तदा बुद्धिर्दमयत्या न्यवर्तत । — दमयत्या विसर्जने N. 10, 15. रूपाय वीरः प्रतिपातबुद्धिः R. 5, 43, 14. शक्ताः सूत्रमासु बुद्धिषु R. SCHL. 1, 7, 9. Spr. 2637. कयापि बुद्ध्या in irgend einer Absicht 4811. क्रेतारः क्रीणीयुरिति बुद्ध्यापयो प्रसारितं वस्तु P. 6, 1, 82, Sch. पापबुद्ध्या in böser Absicht R. 3, 33, 50. ईश्वरार्पणबुद्ध्या NILAK. 9. अनुक्रोशबुद्ध्या so v. a. aus Mitleiden MEGH. 143. अनर्थ° auf Schaden sinnend R. 1, 2, 32. हित° adj. Spr. 2166. द्रोह° f. PĀNĒAT. 38, 21. adj. 8. शीघ्रगाने सदा बुद्धिर्धियते मे विशेषतः mein Sinn steht nach MBH. 3, 2638. विवाहविधये बुद्धिं व्यधादत्तेस्वरस्तयोः so v. a. beschloss KATHAS. 34, 104. बुद्धिं कर्त्तुं einen Vorsatz fassen, sich zu Etwas entschliessen: कृत्वा नैष्ठिकीं बुद्धिम् R. 1, 63, 15. तस्मात्कुर्वन् हितं बुद्धिम् R. GORR. 2, 116, 28. चकार बुद्धिं स्वकुलस्य नाशनीम् 3, 38, 27. कृत° einen festen Vorsatz habend. fest entschlossen 6, 100, 21. M. 1, 97. Spr. 3279. अकृतबुद्धि M. 7, 30. स कथं ममोपरि द्रोहबुद्धिं करोति PĀNĒAT. 38, 21. die Ergänzung ein infin. : स बुद्धिं कृतवान् — ब्रह्मदत्ताय — दातुं कन्याशतं तदा R. 1, 34, 47. 44, 9. 28, 1. 31, 3. MĀRK. P. 77, 11. ein nom. act. im dat. : कृतबुद्धिं निवासाय तत्रैव R. GORR. 2, 100, 1. 99, 10. VIKRAM. 86, 19. KATHAS. 22, 39. ein nom. act. im loc. : दहने तु सपुत्रायाः कुत्स्या बुद्धिमकारयत् MBH. 1, 5636. N. 26, 10. R. 1, 63, 15. 2, 24, 30. R. GORR. 1, 67, 8. 6, 37, 77. ein nom. act. im acc. mit प्रति : स तु कृत्वा सुवेलस्य बुद्धिमरोहणं प्रति 6, 14, 1. — बुद्धिं प्रकुरुष्व यथेच्छसि beschliesse N. 3, 25. अबुद्ध्या ohne Absicht 23, 9. RĪĀTAR. 1, 79. — 7) die personif. Einsicht ist eine Tochter Daksha's und